

A THOUGHT FROM THE SEA

*Reflections on connection, story, and
the enduring human journey.*

Ferdinando Frega — Nando the Scribe



जिलेट: समुद्र से आया एक विचार

जिलेट ऑडियो — नांदो, लेखक — GILLETTENARRATIVE.COM

मेरे शहर में, जो तटरेखा से लिपटा हुआ है, इटली के सबसे दक्षिणी अक्षांशों की ओर मुड़ा हुआ, भूमध्य सागर के सामने, सुबह जब अलार्म बजता है, तो हम अपनी नज़र बाहर की ओर घुमाते हैं, अपने उत्तर अफ़्रीकी भाइयों को ढूँढ़ने, ख़बरें पकड़ने, यह पकड़ने कि नया क्या है।

झुलसाती गर्मी हमें याद दिलाती है कि हम भी अफ़्रीकी हैं — बस इतालवी भाषा के घाटे के साथ, और कर विभाग की उस सारी तवज्जो के साथ जो उसके साथ चली आती है।

पर आज मैंने तीन विषयों से जूझने का फैसला किया, अपने विचार अपने ही जीवन के अनुभव के आधार पर रखते हुए — वह सब दोहराए बिना जो कोई पहले ही अपने व्यावसायिक लेखन में लिख चुका है, जिसे परम, मानवशास्त्रीय सत्य मान लिया जाता है, यहाँ तक कि अकादमिक दुनिया के भीतर अध्ययन का क्षेत्र बना लिया जाता है, जबकि उसका असली मक़सद, अक्सर, सीधा-सादा आर्थिक होता है।

मैं अपना लिखा मुफ़्त बाँटता हूँ, और आलोचना और असहमति स्वीकार करता हूँ — उसमें सबसे बढ़िया, लगभग हमेशा, औरतों की ओर से आती है, जिनका दिमाग़ ज़्यादा पैना है। और मैं कह सकता हूँ कि हर विचार या ख़याल को, एक आम उसूल के तौर पर, किसी बाहरी मुहर की ज़रूरत नहीं — बशर्ते उसका निशाना अर्थव्यवस्था और वित्त की दुनिया न हो, क्योंकि जो कारोबार नहीं कर रहा, वह केवल अनुभव बाँट सकता है, और कुछ पल और भावनाओं की जगहें मुफ़्त दे सकता है।

आज केवल तीन विषयों ने मेरा ध्यान खींचा, और मैंने उन्हें इसलिए चुना कि एक ऐसा नज़रिया रख सकूँ जो कभी रखा नहीं जाता।

ये हैं:

संचार; सूचना; नैरेटिव।

शब्दों के धोखे में मत आइए — ये तीन अलग दुनियाएँ हैं, तीन अलग नज़रिये, अक्सर एक ही विषय।

पढ़ने का आनंद लीजिए।

फर्दिनांदो